

No. 23-24

समन्वितः ५३२४

व्यक्तः ५३२४

ॐ त्रि मूर्ति गौरा पर पद यष्ट
 मूर्ति मूर्ति सुख रक्त मुक्ति उः
 हृष्ट उक्त पति भलः भ
 म पुः ॥ ॥ ॥ त्रि मः सिव
 य ॥ त्रि मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 रक्त उः पूल यष्ट यष्ट ॥ ॐ म
 त्रि मूर्ति विरक्त पूरुवं मरु
 रक्त मः ॥ ॥ ॥ यष्ट रक्त मूर्ति
 वष्ट रक्त मूर्ति मूर्ति मूर्ति मूर्ति
 इष्ट रक्त मूर्ति त्रि मूर्ति मूर्ति

भमसुदं उभुभंभदवभु

यभनसुदिउभठवडव

कमिचिरेणुउःसिवडभ

मुते ॥३॥ रगूमदिचि

हमपिउमठिरेपभयति

॥विचतुनेमिणैवभठव

भपलवुतः ॥३॥ रगूम

दिनपिठमपुवतुभननउ

भभउपभविषते यभ

भापीभापव'दंरुःपीरुतेव

पञ्च'डिउउ'उरभुउउर'प्र

उरवभुहडि'रिउेयम'ग

मःमभ्रठ'वःपरःभ्र/उः

॥२॥ नरुःपेनभ'पेयउर

ग'हं'ग'दकेनय ॥ नभ'भ्रि

अरुठ'नेपि'हम'भ्रिपरभ'

ऊउः ॥ ॥ उभ्रय'यंभ्रठ'

वि'यउ'प'रुःप'ग'ह'ग'द

ਧਰ੍ਮ ਪ੍ਰਚਾਰਿ ਸ੍ਰਿਤਿ ਮੰਦੁ

ਸ੍ਰੀ: ॥੧॥ ਧਤ: ਕਰ੍ਮ ਵਰ੍ਜ

ਧੁਤ ਸ੍ਰਮ ਮਦਿ ਤੁਧੁ ਵਿਭਰ੍ਮ

ਧੁ: ਧਰ੍ਮ ਵਰ੍ਮੁ ਤਿ ਸ੍ਰਿਤਿ ਨਿ

ਗਿ: ਮੇਰੇ ਧੰਮ੍ਮੇ ਤੁਧੁ ਪਾਸੇ

ਮਮਤਾ: ਕਥੇ ਨਿਭੁ ਰਵ: ॥੧॥

ਲਗਤ ਤੁਧੁ ਧਰ੍ਮ ਪਰਿਹ੍ਰਿਤੁ

ਮਦਰ੍ਮ ॥ ਧਤ: ਧੁਤ ਤੁਧੁ

ਤੁਧੁ ਮਚਤੁ ਧਮ੍ਮ ਦ੍ਰਿਸ਼ ॥੩॥

उभ उउ उं य उं र प ग कि उ

हं ये गिर यष भु क र ल मि

ध मे उ ट म न श उ डू भा उ ष

प र प र मि ष पि म भू व उ उ श

उ डू भू भू भू ठ व डू उ भू भ व

इ रु डि म भू ह म भू म व

किः ॥ १ ॥ न दी सु न र न भू

यं पू र क डू न व उ उ ॥ ष पि ड

इ व ल भू जं इ म भू भू डू भ

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

नमो भगवते वासुदेवाय

उत्तमपुत्रं भगवत्पुत्रं

सुपुत्रं उत उषा विष्णुमेवम

वत्पुत्रं उत कर्तुमर्हति

उत्तमपुत्रं विष्णुमेवम

महं किमुतुभवेत् ॥ ३ ॥

निम्नपुत्रं मम उतु कर्तु

हृष्टमिति धिः ॥ यम्

कः प्रलीये उ उ म ह ह मं

पमभा ॥ ७ ॥ मय उ व ल म

मः मर यः सु सु ह प म म

न क र म म सु उ पि क व डि कि

उ ह क र म म डि प ह य क व उ

पि म प्रलीये उ उ म म क व डि

पर म प म प डि धू न म ॥ ७ ॥

उ म म क डि म प म क क

अ ड ल क ॥ य उ म म

व

पिं० म० चं० न० डि० क० र० डि०

॥०॥ यउमुभिन्तुली

नहोठइकेकले, नडिभः

भदर० ह० इ० क० इ० ठ० व० ऊ० पः

यभउभिन्तुपु० पु० य० ग० इ०

केकलेयह० ह० उ० भि० सु० डि० उ०

उ० ह० न० डि० क० र० डि० य० न० ट० य०

भंभदवभुयभ० ॥०॥ उ०

भणिपु० म० ठ० वे० न० अ० ठ० व० भ० व०

लेकयना॥ भयभंनउं वभु

यभुभुयंऊभातिःऊउः॥

००॥ उरुवंयउः भचंरभुउः

भचभभउयऊसुव, भरुव

भुभउभपिधुअरुवेनभच

वृपकडेनभरुवंपभुनवि

भयविधुउं वउभु रुडिउ

भडीउभरलंनरुवडि॥००॥

नरुवेरुडभडिनयउड

च

वहुकरल्लुपारुपंकेव
लं विलपुउं भुगिउं भ्रिय
भुउं भ्रि विलपुं भभहं भ्र
हं विलपुउं भ्रवणं रन
उरउं भ्रहं वभ्रनं भ्रि॥

०५॥ नउं येउं भ्रिपिहं वः भ
चहुं उगुल्लभं रुभा॥ उं भ्र
निपः कहुं भ्रिहुं रुउं भ्र
वपलभुनं उं ॥ ००॥ नउं

ਯੋਤਸੁ ਧਿਤਸੁ ਰੁਕੁ ਸੁਠਵ:

ਮਚਰੁ ਡਾਇਗੁ ਲਗੁ ਮੁਖੁ

ਵਿਨਸ: ਕਮ ਧਿਤਸੁ ਮੁਖਿ ਤੀ

ਧਮੁਤੁ ਮੁਠਵ ਤੀ ਮੁਖੁ ਪਮਵ

ਭੋ ਮਵਸਿਰੁ ਪਤਧ ਮਚਰੁ

ਠਵਤੀਤਿ॥੧੦॥ ਭਿਤਸੁ ਪਲ

ਵਿਸੁਤਤੁ ਡਿਪਸੁ ਰੁਕਿ ਸਾਰਿ

ਲੀ ॥ ਰਿਤੁ ਮੁਖੁ ਪਰੁ ਮੁਖੁ

ਭਵਸੁਤੁ ਪਰਮੁਤੁ ॥੧੧॥

ਮੁ ੪

कभृपिजडिभप्रनिहभच

अयवभधुपेययभसि

मूपडंडुनःभुपंनिहभ

विदिउउयवगुपुपमैमननि

हभत्रमीलनीयभा॥७॥

वभृयगलंशइकटकडुड

मकिउभा॥कटकडुडयिल्ल

उडकडुडपुनरडुडयभा॥७॥

पवभृयगलभवभृय

मेवक'दक'अडभरुं'ठै'ए'ठै'आ

ठै'य'ठि'वं'उ'इ'य'ठै'य'ठै'प'ठै'यः

भ'उ'इ'इ'उ'न'मु'ठि'य'ठै'आ'ठै'य

मु'यि'रूपः'प्र'न'उ'र'य'उ'न'क

र'मि'स्त्रि'न'मु'ठि'उ'न'नि'हः॥७५॥

क'र'द'आ'पः'प्र'य'इ'यः'के'वलं

भै'इ'ल'प्र'उ'॥उ'भि'ल्ल'पु'वि

ल'पु'भौ'ट'व'णः'प्र'उ'प'मु'उ'

॥७५॥ क'र'भ'भ'द'र'भ'भ'हं

भ'य' व

उभृमिस्फुपभुभचगउभृ

भभठवभृपलविःदिष

रगूरमिषपमेषनिहंभ

पूषसुभृठवडि. उरुमुते

परभृपूषसुभृभप्रभषपु

रूरगुडुदवगभभाडग

भृ॥०१॥ रूररूरयभृकुषि

रूरमभृपरभयभृउः॥प

रूरयविभृठडिउरुहउउ

ਸਿੰਘਯ: ॥੦੩॥ ਹੁਰਹੁਰ

ਠੇਠੇਰਸਿਉਪੰਘੁਗੁਪੁਪੁਕੇ

ਪਰਸੁਯੇਮੰਵੇਰਨੰਘੁਪੁਪੁ

ਦੁਕੇਪਰਸੁਯੇਪਰਸਿੰਘੁ

ਪਤੰਕੇਵਲਮਰਠਵੇਰਤੁਸਿ

ਤੀਯਮਟੁਤੰਪਲਹੁਤੁ॥੦੩॥

ਗੁਰਸਿੰਘਯਨਿਪੁਰੁ:ਮਾਮਾ

ਤੁਮਰੁਮੰਸੁਯਾਤੁ॥ਲਕੁਰੁ

ਲਕੁਰੁਤੁਤੁਪੁਰੁਪੁਪਿਪ

ਮੁ ਰ

ਤਿਨ: ॥੦੭॥ ਗੁਲ੍ਹ ਅਖਰੁ

ਮਤਰਾ ਮੁਮੁਪੁ ਮੁਖਿ

ਪੁਸ਼: ਪੁਰਾਨੁ ਮੁਮਾ ਮੁਖੁ

ਮੁਮਾ ਮਿਹ ਪੁਸ਼ਾਤੁ ਸੁਪਿਮ

ਤੁੰਗੁ ਮੁਖਿ ਮਿਤੁ ਮੁਖੁ

ਗਿਨ: ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ

ਗਿਪ ਤਿਨ, ਨ' ਸੁਮਾ: ਮੁਖੁ

ਮੁਖੁ ॥੭੦॥ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ

ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ ਮੁਖੁ

रगुगुवनिरंठवभमिरे

ॐ पिगमुडि ॥३०॥ षडः

भउउंभवकलयः करेइमु

गंभयउउमुमुपहिह

हुंभरगुगुवभुयभेव

निरभद्दीयउदठगापुअ

ठवभमिरेल्लवकलेनपूप्पे

डि ॥३०॥ डिषयभेवगुय

मुमुपुयमुपुयिरेउभि॥

उमङ्कउमभपडिगिमुङः

भक्तभुयः॥ पडिङ्कः

पुरुषैव किंकरिभीडिवभ

मना॥ एवञ्चयङ्कगमुङ

इभयः पडिङ्कः॥ ३३॥

उमङ्कभयङ्कउङ्कभुङ्क

पुरुषैवभवेयकिंकरिभी

उवंमिङ्कनिभुयङ्कमङ्क

पुङ्कभयङ्कभयङ्कउङ्कभुङ्क

भ च

एतवैर्यैरुपमैस्यैषि

गउहः॥३३॥यभवभुंभ

भलभुययंभभवहृषि

उरवसुंकगिष्टुभिडिभ

दुलुडिधुडि॥३३॥यं

भययउपभवभुंभवलभु

यडिस्त्रियंभभवहृडि

उरवसुंकगिष्टुभीउष्टुव

भयैरभयउडुभणिधुय

ਧੈਰਤੁਤੋ॥੩੩॥ ਤੁ ਮਾਸਿਤੁਤੁ

ਮਾਜੇਲੇ ਮੇ ਮੁਖਦੁਰਨੁ ਵਪਿ॥

ਮੇਖੁ ਮੇ ਪੁਟੁ ਮੁਮਿਤੁ ਦਿਤੁ

ਦੁਲਾਗੇ ਸਰਮਾ॥੩੪॥ ਤੁਮੁਤੁ

ਮਵਕੁ ਮਾਸਿਤੁ ਪੁਰਖੁ ਮੁਮੇ

ਮਖਦੁਰਨੁ ਵਪਿ ਮੇਖੁ ਮੇ ਪੁਟੁ

ਮਪੁਤੁ ਕੁਠਿਧਾਨੇ, ਮੁਮਧੰਤੁ

ਮੁ ਵ

ਕੁਤੁ: ਵਕੁਲਾਗੇ ਸਰਮਾ

ਜੇ ਪਰਿਤੁਰੁ ਧੈ ਗਿਨ:॥੩੫॥

उद्युतुभि मज्जु विपुली

नमसिठ्ठु ॥ भेषुप

मवसुमः पूवसुः शुभन

वउः ॥ ३५ ॥ उभि मज्जु

विपुलुमुभिउमसिठ्ठु

वयसुसुसुठ्ठु विठ्ठु

मयसुसुठ्ठु मयसुठ्ठु

मने, पूवसु विठ्ठुः शुभन

सुः पुननन वउ मवठ्ठु विठ्ठु ॥ ३५ ॥

उमरुभुवलेभडुःभचहुव

लमालिनः॥पूवउउयिक

रयकर॥नीवमेदिनभा॥

३०॥उमुलेनिरवरलमिमु

पमपिपुयभडुःभचहुड

मिरलेसपायऊःपूवउउ

पत्रगुदमेभुपिकरेकर॥नि

यषमेदिनंनटनकरुवमे

धे॥३०॥उडैवमंपूलीय

भु व

उमउडुपानिरहूनः॥भ

दरपकयिउरउरउमिव

पमिः॥३१॥उरुवभुभठ

वहृभिनिवाउपिकरःपूली

यउ.मउडुपभयकलधु

गदिउःभदभापकयिउर

पनरकरलनमिवभयिर

नभठवेनडिमिवडुकउ

मुउ॥३१॥उयभडुवभ

ਧਰੀਰਥਚਰਨਰਥਥਥਥ

ਭੁ॥੩੩॥ਵੇਰਨਕੁਪੇਲੁਤਾ

ਭੁਪੁਤਿਪਤਿਤੁ॥੩੩॥ਥਵ

ਭੁਕਾਪਵਥਥਥਥਥਥਥਥ

ਤਿਥੁਰਾਨਕੁਥਥਥਥਥਥ

ਵੇਰਨਕੁਥਥਥਥਥਥਥਥ

ਥਵਥਥਥਥਥਥਥਥਥਥ

ਰਥਥਥਥਥਥਥਥਥਥਥ

ਥੁਥਥਥਥਥਥਥਥਥਥ

ਥੁ ਥ

ॐ मित्रं भवतु नमः

वः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

मचइसंस्क्रुतः॥३७॥ॐ

उद्योगिणो न भवतु केन च हवे

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

यसि वच्च रुवं न तु पूयति ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसिष्ठ उवाच ॥ इह सुगुणसि ॥ ३९ ॥

ॐ त्रिकयत्रुमं चिदिः श्री

इति पिलंर गउ ॥ भपमु

उंयऊरौवऊऊरभंसयः

॥ ७० ॥ ययभरयमुमुपे

यमुपयिगेउभि ॥ उमऊउ

भभपडिगिमुउभणकमु

य ॥ ७० ॥ उंवेमनखर

यमुमऊ गूदभउटभऊकः

भपवेमयमुमुपेयमुभउ

उ.नः भणकयेउभि उमऊ

भ ७

उडुठवडपू'पिउमउमेवउय'

भदभउँसु'रलेसुय'भभ'

मिउ'॥३०॥ॐ यमेव'भउ

पू'पिउयमेव'उँनगूदः॥ॐ

यंनित'ल'दीद'यमिवभमू

वद'यिनी॥३३॥ॐ यमेव

मिष्ट'रु'नसुट'भ'रक'य

निर'वर'ल'भुभुउपभंविडि

रभा'उडपू'पिउउरभा'भु'द

ॐ पृथुण्डभगवतुलभुभ

मनभभउपुपिरुऊयैवम

ईश्वरलभइलैवमइभउ

पवभुडिपुपिः मैवइने

गुरुलभिइऊयभमइनेगू

दलंऊदमोकाकलेगुरुसि

यः नपनलेधुपिचरुमुनउ

भुभउपुगुरुलंभभुवडिइ

उपवयेयमैवभानिचलंमो

कामिवभक्तवदयिनीपर

भक्तिवभक्तपदित्तिक

॥३३॥ यषेमुहजिउणउ

एगुउजहुमिभित्तना॥

भैभभुदमयंकडभभदमय

उदित्तिनः॥३३॥ यषभु

नहित्तुभक्तपभुदित्तिन

गुदवभुयंयषयषेमुठ

वदित्तित्तुभुनक्तुभभित्त

ਮਾਤੰ ਸੁਹਜਾਧਾ ਸਾਤਿ

ਮਾਤੰ ਯਸੁਤਮੇਹੁ ਧਧੰ ਮਫ

ਤਮਠਿਵੁੰ ਨਿਹੰਤਮਤਤੁਪ

ਅਤਤੁਮਿਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁ

ਮੇਵਰਲ ਨਿਹੰਤਮਤਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁ

ਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤ

ਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤਸਤ

ਵਰਗੁਤੁਪਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁ

ਧਧੰ ਮਫ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ ਮਧੁ

ॐ व

नपिमोउभि॥ कुयः भूटउरठ

डिभवल्लुगकविउः॥ उ०॥

यष किलरुगभिउः कस्मिण

ऊः परुषे लप्रचं भवणपेन

पिनलहुउभपवभूटउरठ

वडि॥ उ०॥ एवंयदुरभऊ

नयगयइयषभिउभा॥ उ

उषवल्लभरुभुरगिरुभू

वडिउ॥ उ०॥ उषउनेवपूय

उविमोषे लयसुभुसेनभुऊ

पेलयइमे यमयभिक

लेयषयेनकरे लभंभिकुं

उसुभुउषभुवलंभुभुपम

सिउभुगिरेलैवकलेनपूडि

ठडिनिगवरलभुपडडा

उनउीउनगउंहुनंपरिभि

उविधयंनकिप्पिगसुदभा॥

ॐ॥ सुडलेपिउमरभुयउः

कदंपूरुउउ॥ सुसुमयेसुसु

कंदमउषयेतिवकुदिउः॥ उउ

की॥ उउपिउसुलभुइरु

लह॥ भ॥ भुयउः कदंपूरु

उउयषकसिगमउउहयभ

हमेरभदउमकिंप्रपेतिउ

हृगवलेनउषनेरभरुव

मीलनेरवकुहमपुसुमय

तियेतिवकुदिउः भुउयउः

भ ४

भवेत्तैव' इ' अ' उ' प' अ' क' र' क' र' ॥

भ' म' द' र' न' भ' म' ह' म' ॥ ३७ ॥

घ' न' न' णि' धि' उ' म' द' य' ष' भ' च

रू' उ' द' यः ॥ उ' ष' अ' उ' र' णि

धू' न' इ' च' इ' व' न' वि' धु' ति ॥ ३७

घ' न' न' इ' अ' न' व' न' णि' धि' उ' र'

पु' म' री' र' भ' च' रू' उ' म' य' य' ष'

भ' इ' ल' य' क' र' ॥ भ' धि' धि'

पु' म' व' र' न' ति. उ' ष' अ' उ' र' व'

ਭਿਉਭੁਮਚਤਮਚਲੂਤਕਵਿਭੁ

ਤਿ॥੩੭॥ ਗੁਨਿਵਿਲਖਿਕ

ਯੇਯੇਤੁਭੁਸੁਲੂਤਃਅਤਿਃ॥

ਤੁਭੁਯੇਭੁਵਿਲਪੁੰਤੁਤਃਮਭੁਯੇ

ਯੇਯੇਤੁਕ॥੨॥ ਗੁਨਿਃਵਿਲਖ

ਗੀਰਭੁਵਿਨਸਿਰੀਮਯਗੁਨਿਰ

ਲੂਨਯੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁਤੁ

ਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁ

ਤੁਤੁਕਯਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁਲੁ

ਮੁ ਰ

नैव कर्गल्लनवलीपलिउठ

वःसगीरगुंयैगिनभा॥

एकमिउपूमउष्टयउःभु

मपरमयः॥उमेधःभउवि

ह्यःभयंउमपलह्येउ॥

२०॥ एकइविधयेष्टपाउमि

उभयउयभउठवदुगिट

हमिउदुहउममिउयःक

रलभमेधेदुउहःभउभ

ਧਮੋਬਧੋਗਿਨਲਕਲੀਧ:ਕੇ

ਮੇਂਗਿਤੁਸੁਧਾਤੇਹਪਕਤਧਾ

ਕੁਧਮਾਨ:॥੨੩॥ ਧਤਿਰਿਸੁ

ਰਤਿਨਕੇਕੁਪਮਮਧਤਿਰਮ:॥

ਪ੍ਰਵਤੁਤੇਗਿਰੇਲੇਵਕੋਰਕਤੋ

ਰਧੇਦਿਨ:॥੨੩॥ ਧਤਿਖਸੁ

ਕੇਖਾਧਰਸੀਲੁਮਾਨਾਧਿਰੁਸੇ

ਰੇਨਾਧ:ਪ੍ਰਲਾਪਿਸਕੇਕੁਪੰਮ

ਮਤਾਧੁਕੇਖਾਧਿਨਤੋਰਕਤੋ

ਮਧ ਰ

ਪ੍ਰਵਤੁਤੈ ਸਾਹਿਗੋਲ ਕਲੇਰ ॥੨੩॥

ਸਿਸਾਨਾ ਧੋਵ ਮਚਾ ਭਟਕਾ

ਹੁਪਾਵਾ ਤਿਖੂ ਤੇ ॥ ਤਦ ਕਿੰਵ

ਫੁਨੇ ਭੋਰ ਮਧ ਮੇਵਾ ਵਰੁ ਤੁਤੈ

॥੨੪॥ ਸਿਸਾਨਾ ਮੁਖ ਮਿਸੁ

ਤਦ ਵਧੁ ਭੁਭੁਭ ਮਚਾ ਭੁਭੁ

ਹੁਪਾਵਾ ਤਿਖੂ ਤੇ ॥ ਤਦ ਕਿੰਵ

ਫੁਨੇ ਭੋਰ ਮਧ ਮੇਵਾ ਤਦ ਮਚਾ

ਵਗੰਧੁ ਤਿਖੂ ਤੇ ॥੨੫॥

ਪ੍ਰਸੰਨ੍ਹ: ਮਚਰਾਤਿ ਪ੍ਰਸੰਨ੍ਹ
ਲੇਖੁ ਗੋਸਰਮਾ ॥ ਨਕਤ ਰਪ
ਧੋਤੁ ਚੰਤੁ ਤੇਰਾ ਪੀਤੁ ॥

੨੨ ॥ ਸਦਾ ਸਿਮਰਤੁ
ਸਤਿਗੁਰੁ ਪ੍ਰਭੂ ॥ ਕ
ਲਾ ਵਿਲਪੁ ਬਿਰਹੁ ਗਤ: ਮਰ

ਪਸੁ: ਮੁਤ: ॥ ੨੫ ॥ ਸਦਾ

ਸਿਰਕਾ ਸਿਰਕਾ ਤੁਮੁ

ਮੁਤੁ ਤੁਮੁ ਕਰਿ ਗੁਰੁ ਤੁਮੁ

ਮੁ ਵ

दुमिमिति मभदभुठुण्डं

गउः परुषेव दुग्रीनं कल

ठिः ककरादुदरै विलपुवि

ठवः श्रवठव उष्टु विउः प

सुरुष्टु ॥ २५ ॥ परभउर

भापयमुष्टुयः पूष्टुयमुवः

उरभउरुउं मेतिमयउम

इगेयरः ॥ २६ ॥ परभउर

भाउउपायः पूष्टुतिमु

भृयः पूटये सुवे विधयमचने

भारले य यउ भुनपरुधे,

भउरुड'भमचगडंमपू'पेडि

भमपूटयभुन'डग'रकुप'

मुठिल'ध'डकः ॥ २० ॥ भृ

प'वरले'य'भुमकुयः भउउ

डिडः ॥ यउः मय'नवे'पेन

विन'पूटये'सुवः ॥ २१ ॥ भृ

भृपभृभृभृभृवभृ'सु'नरेम

भृ व

भुप्ररुभभुमऊयेरदुमुःप्र

वभऊयभुःभउउभमुऊः

यउःसचगदिउभुपूहयभ

हूनभुनभुवकभुमिभुभुवः

॥ २१ ॥ भयंरियदिकमऊ

मिवभुपमुवडिनी ॥ वरुयि

शेभभनऊहूडभिमूप

पदिक ॥ २३ ॥ भयंरि

यभनवभुगावउःपमुवडिनी

मक्तिः यमुते, नभ'रणीवक

ल'क'मिड्डु'न'यव'उिनी॥

टु'प्रीमिवकल'य'भ'म'पिधू'

शेन'विमुते'उ'उ'मैव'म'र'र'

क'र'ल'भ'रु'उ'रु'उ'भ'ग'प'

नः'प'र'प'र'भि'सि'प'र'र'व'उि

पुं'भ'भा॥२३॥ उ'र'उ'र'य'उ'

प'ल'भ'न'र'र'वि'व'उि'न'॥प'

द'धू'के'न'भ'र'र'भ'र'र'उ'प'र'उ'य'

भ' र'

सुवभा ॥ २७ ॥ उम उम यमु

मइ लं मक गीर भरठव ऊ

पे ल मरेद सु र व सि छि गि डि

शि छिः परा म प्रभा ल न प द

धु के न मे र सुः उम ऊं उम म सु

मु उं भा प चः ण मे वे द न ऊं पं

उम प्रु प द सु क प्रु ठ न उं म

ग डि से म र म गी र ॥ २७ ॥ ऊं

हं प र व म क गं उम व उं म
ॐ

गद्यः॥ भंभातिपूलयभु

भुकरलं भभयद्वादे॥ ५०॥

उरुं चसति चसुउरुं गंभ

पसुः पभंवेरुं नरुपं उभुप

रधुकरुठव'डुं भरति संभ

रमरीर पउः भंभातिपूलय

भुलं भभरलं पूव'दर'सकु

पभुकरलं भभयद्वादेवहुं

भः॥ ५०॥ यद्यदेकडुं भंभु

भु य

ਮੁਸਤਾਫ਼ਾ ਤੁਲਯੋ ਮੁਕਾਮ ਨਿਯਮ

ਫਿਕਰ ਤੇ ਮਤਿ ਤੇ ਸੁਰੇ ਸੁਰੇ

ਵੇਖ ॥੫੩॥ ਦੁਆ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ

ਮੁਲ ਅਕਸਰ ਮੰਤ੍ਰ ਕੀਲੀ

ਸਿਤ ਮੁਸਤਾਫ਼ਾ ਤੁਲਯੋ ਮੁਕਾਮ

ਲਯੋ ਮੁਕਾਮ ਪ੍ਰੇਮ ਪ੍ਰੇਮ ਕੀਲੀ

ਯਸੂਰਾ ਕੀਲੀ ਫਿਕਰ ਤੇ ਪ੍ਰੇਮ

ਤਿਤ ਤੇ ਸੁਰੇ ਸੁਰੇ ਸੁਰੇ ਮਚਾ

ਧਿਪਤਿ ਕੀਲੀ ॥੫੩॥ ਸੁ

गणभंसयभुपिमभुडग

उगिल्लेभा ॥ वदेविधिइऊ

पदं विइउं गुरुठरडीभा ॥

५७ ॥ वगण्डुप्रतिभूतः

॥ ॐ तिस्रीभरुसाभुम

भापुभा ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

पिनमः सिरायनमः ॥

सिमरुभनगहवनरगक

षायकिउगनरगप्रनं

नमो नमो नमो नमो नमो नमो

पूय भनम ॥ उक्तिं भनमि

सिउं वरु पमं महुं दिउ सुयउं

नहुं गो नप गिगुदी रुम भापं

मुकुय व वडिउः ॥ ० ॥ भंभ

रेभिउ उउउ मुन रुउं वरुमु

वउं वकं वरुय मुन रुउउमु

विउष वउमु भक्तिदिय ॥

भिषु भनम नमो नमो नमो नमो

सुयपिसासकर्मभक्तिप्रि
 दुरभागादल्लविरभभुक्त
 यषवद्विः॥३॥परपर
 कप्ररुहमभरलिःकयंक
 षरउमभूमःकिलकष्ट
 केनविमोकेवपूवेमभूमः॥
 मयेयंरमिमय^{रु}दुगउयहि
 इप्रुहवउउमचंशरठवंशर
 वविभलंमिउंवाभभरुषः

उरुतेरुन विउमरुममचवै

व'रु'न'भ'रु'व'म'प'के'रु'न

उप'रु'प'क'र'व'वै'व'प'क'स'म

यः॥रु'रुः'भ'रु'उ'रु'भ'रु'उ

भा'प'रु'रु'र'व'उ'र'प'भः'भ'च'

रु'उ'प'रु'र'वि'भ'उ'नि'पैः'प'

पिः'प'क'स'म'यः॥र॥र'ग

रु'प'भा'प'भा'प'र'य'ल'य'र'रु'र

र'म'र'म'य'य'र'वः'प'रु'व'रु'ति

विश्वपथि चित्रश्रवणते॥

वृद्धिं पृथुभि यष्टयष्टुभदभा

उताउमेक'इ'उ'भं विरूपम

वैटकिं नरभभे उरुवर'निठ

रः॥५॥ प्रच'ठवठ'वद्विष

दिभदभा'ठ'वः'भद'भिरुवे

मष्ट'क'र विक'र भद्रुवर'उं

उधं'क'षं भट'उ' निभ्रुट्य

पले'पु'य'पु'नियये'ध'प्र'इ'मे

पमलेमरुउरुकलरुय

किकलनमिहः पूरुहव

॥७॥ हरनरुमभुवभुम

हरभुमिहउरुभीनिह

हरभिमहउमरुवहउ

हरउिहलभा उरुमरुल्य

रुपधविममदिमपभुभु

रुमहउभुमहउविहव

रुमिहवनेपुकेपुनकहकः

यद्गुह्यं यद्गुह्यं महामह्यं महामह्यं

हं न निहं न यद्गुह्यं यद्गुह्यं

यद्गुह्यं यद्गुह्यं महामह्यं महामह्यं

हं न निहं न यद्गुह्यं यद्गुह्यं

यद्गुह्यं यद्गुह्यं महामह्यं महामह्यं

हं न निहं न यद्गुह्यं यद्गुह्यं

यद्गुह्यं यद्गुह्यं महामह्यं महामह्यं

हं न निहं न यद्गुह्यं यद्गुह्यं

यद्गुह्यं यद्गुह्यं महामह्यं महामह्यं

~~150-154~~

150-154